मेरी लाड़ली के जैसा कोई दूसरा नहीं है

मेरी लाड़ली के जैसा कोई दूसरा नहीं है,
यहाँ बरसे किरपा हर पल बरसना वो यही है,
मेरी लाड़ली के जैसा कोई दूसरा नहीं है,

ऐसी दयालु जग में पाओगे न कही भी,
बेसहारो को सहारा वो आसरा यही है,
यहाँ बरसे किरपा हर पल बरसना वो यही है,
मेरी लाड़ली के जैसा कोई दूसरा नहीं है,

एक बार जो शरण में आ जाये लाड़ली के,
जन्मो की मिटे भटकन दरबार वो यही है,
यहाँ बरसे किरपा हर पल बरसना वो यही है,
मेरी लाड़ली के जैसा कोई दूसरा नहीं है,

बिगड़े नसीब तुमने कितनो के है सवारे,
किस्मत का चमके तारा वो सितारा भी यही है,
यहाँ बरसे किरपा हर पल बरसना वो यही है,
मेरी लाड़ली के जैसा कोई दूसरा नहीं है,

कहे चित्र विचित्र श्यामा तुम हो दया की सागर,
पागल ने जो दिखाया वो नजारा भी यही है,
यहाँ बरसे किरपा हर पल बरसना वो यही है,
मेरी लाड़ली के जैसा कोई दूसरा नहीं है,

स्वर : चित्र विचित्र

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/5954/title/meri-ladali-ke-jaisa-koi-dusra-nhi-hai-yaha-barse-kirpa-har-pal-barsana-vo-yahi-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |